जगदलपुर, शुक्रवार 27 मार्च 2020

राजधानी

दण्डकारण्य समाचार | 3

www.dandakaranyasamachar.com

छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी मुख्यमंत्री सहायता कोष में देंगे एक दिन का वेतन

रायपुर, 26 मार्च । छत्तीसगढ़ पुलिस के सभी अधिकारी-कर्मचारी एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में देंगे। डीजीपी डीएम अवस्थी ने कहा है कि जरूरतमंदों की मदद हेतु छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उक्त निर्णय लिया है। अवस्थी ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव तत्पर है।

मनरेगा मजदूरी दर में वृद्धि अब श्रमिकों को मिलेंगे 190 रुपए प्रतिदिन

रायपुर26 मार्च। मनरेगा मजदूरी दर में वृद्धि अब श्रमिकों को मिलेंगे 190 रुपए प्रतिदिन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यमनरेगाद्ध के तहत काम करने वाले मजदूरों को अब प्रतिदिन 190 रुपए मजदूरी मिलेगी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मजदूरी दर में वृद्धि के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। श्रमिकों को बढ़े हुए दर पर मजदूरी 1 अप्रैल से मिलेगी। चालू वित्तीय वर्ष में मजदूरी दर 176 रुपए है जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष 2020.21 के लिए 14 रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

राज्य महाधिवक्ता ने एक माह का वेतन सीएम राहत कोष में किया दान

रायपुर, 26 मार्च । राज्य महाधिवक्ता सतीशचन्द्र वर्मा ने अपने एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर दिया है। इसके पहले कल कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने भी एक लाख की राहत राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराया था। आज कोरोना वाइरस के बढ़ते प्रकोप के कारण देश एवं प्रदेश में भारी संकट की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है, छत्तीसगढ़ में भी प्रभावितों की संख्या में इज़ाफा हाते जा रहा है, माननीय महाधिवक्ता श्री सतीशचंद्र वर्मा जी ने माननीय मुख्यमंत्री महोदय के द्वारा किए जा रहे संक्रमण को रोकने के प्रयासों की सराहना करते हुए कोविड-919 मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपने एक महीने के वेतन/मानदेय को देने का संकल्प लेते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय को पत्र लिखा है। उन्होंने भविष्य में भी उनके इस महामारी संक्रमण का मुकाबला करने के प्रयासों में हरसंभव सहभागी बनने का निश्चय दोहराया है।

राज्य सरकार सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर निराश्रित और बेसहारा लोगों तक पहुँचा रहे हैं भोजन

रायपुर, 26 मार्च । राज्य शासन द्वारा नोवल कोरोना वायरस कोविड-19 से संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रदेश को बंद किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर बंद के दौरान समाज कल्याण विभाग ने जिला प्रशासन और सामाजिक सहयोग से राजधानी रायपुर में रेल्वे स्टेशन के आसपास 150 बेसहारा और निराश्रित लोगों तक भोजन पहुंचाया। समाजिक संस्था सिक्ख फेरम और मंदबुद्धि बच्चों के आकांक्षा लायंस स्कूल ने भोजन तैयार करने, भोजन की सुरक्षित पैकिंग और वितरण में सहयोग किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऐसे बेसहारा लोगों का चिन्हाकन कर उनके लिए भोजन सहित आवश्यक मदद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

विधानसभा में पत्रकारों के प्रवेश पर रोक

रायपुर, 26 मार्च । कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए अब विधानसभा में पत्रकारों के प्रवेश पर भी रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया गया है। आदेशानुसार यह सूचित किया गया है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी की गई एडवाइजरी को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा की पत्रकार -दीर्घा एवं परिसर में माननीय पत्रकारों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से एकजुटता रखने की अपील की

रायपुर, 26 मार्च । राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने प्रदेशवासियों से कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए एकजुट रहने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपील का पालन करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि आज से नवरात्रि की शुरुआत हुई है।आप सबकी मनोकामना पूरी होगी और सभी स्वस्थ रहें। राज्यपाल ने कहा है कि भीड़भाड़ वाले स्थान में न जाये और आपस में दूरी बनाकर रखें। बहुत आवश्यक हो तो तब घर से बाहर निकलें। लॉक डाउन के निर्धारित दिन बेहद महत्वपूर्ण है, इन दिनों हम संयम का पालन करें, इससे ही हम और पूरा देश और समाज सुरक्षित रहेगा। यही हमारा देश के प्रति सच्चा योगदान होगा। आवश्यकतानुसार ही वस्तुएँ खरीदें। इससे बाजार में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बनी रहेंगी। प्रशासन का सहयोग करें। जरूरत पड़ने पर हेल्प लाइन नम्बर से सम्पर्क करें। राज्यपाल कोरोना के बचाव में लगे चिकित्सा कर्मी पुलिस मीडिया कर्मी को धन्यवाद देते हुए कहा है कि इनका उत्साहवर्धन करें। ये समस्त लोग भी अपना ध्यान रखें और स्वस्थ रहें। आशा है कि हम जल्द ही सुरक्षा उपायों को अपनाकर इस नाजुक स्थिति से बाहर निकल जाएंगे।

कोरोना संक्रमण रोकने जनता का मिल रहा अभूतपूर्व सहयोग - मुख्यमंत्री

- 21 दिनों के लॉकडाउन की अवधि में घरों में रहें इसी में सबकी सुरक्षा
- गरीब परिवारों को दो माह का राशन मुफ्त में जल्द मिलेगा
- मुख्यमंत्री ने दी हिन्दू नववर्ष, गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं

रायपुर, 26 मार्च। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए प्रदेश की जनता का अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है, इसकी पूरे देश में सराहना हो रही है। हिन्दू नव वर्ष, चैत्र नवरात्रि और गुड़ी पड़वा की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री आज प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए अपने संदेश में कहा कि बहुत से भाई-बहन उपवास रखते हैं। उपवास का अर्थ होता है, अपने ईष्ट के समीप रहना। नौ दिन आप अपने ईष्ट के समीप रहेंगे। भारत सरकार और राज्य सरकार ने 21 दिन का लॉकडाउन किया है। आप सभी को इस दौरान अपने-अपने घरों में रहना है। अपने ईष्ट के समीप रहना है। अपने परिवार के साथ रहना है, इसी में हम सबकी सुरक्षा है। राज्य में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं हैं। सरकार का पूरा तंत्र जनता के साथ है तथा स्वास्थ्य और भोजन के साथ ही जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था में लगा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत से लोगों ने साथी लोग फोन करके बता रहे हैं कि हम लोग अपने गांवों में बाहर से जो लोग आ रहे हैं उन्हें बिना मेडिकल चेकअप के गांव के भीतर नहीं आने देंगे। यही सही मायने में कर्फ्यू का अर्थ है। यह कानून व्यवस्था की स्थिति नहीं है बल्कि ये आम जनता की सुरक्षा का मामला है। यही हम चाह रहे हैं कि लोग अपने अपने गांवों-शहरों और मोहल्लों में सुरक्षा करें। किसी भी व्यक्ति को घर से बाहर नहीं जाने दें और कोई भी बाहरी व्यक्ति आते हैं तो उनकी जांच किए बिना घर में नहीं आने देना है। ये आप लोगों को 21 दिनों तक करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गरीब परिवारों को राज्य सरकार दो माह का राशन मुफ्त में देने का फैसला किया है। बहुत जल्दी यह सुविधा लोगों को मिलेगी। कुछ साथी लोग जिनके पास खाने की व्यवस्था नहीं है, रहने की व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि इन लोगों के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री ने सामाजिक संगठनों से जिनके पास भोजन पकाने की व्यवस्था है। जरूरतमंदों के लिए भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने अपील की है। उन्होंने कहा है कि लंगर लगाकर खिलाने का काम नहीं करना है बल्कि पैकेट बनाकर कलेक्टर के माध्यम से सूचना देकर जरूरतमंदों तक पहुंचाने का काम करना है। उन्होंने कहा कि जो लोग घर में हैं उनके लिए खाने-पीने के सामान की बहुत सारी कमी हो जाती है। जो रोज कमाते खाते हैं उनके सामने यह स्थिति ज्यादा निर्मित होती है। इस संबंध में कलेक्टरों को निर्देश दिया गया है कि जैसे ही जानकारी मिले या फोन के माध्यम से सूचना मिले वहां तहसीलदारों, नगर निगम और नगर पालिका के अधिकारियों के माध्यम से उनकी आवश्यकता की पूर्ति की जाए। जो भी जरूरतमंद हैं उनकी आवश्यकता की पूर्ति हो। इस बात का विशेष ध्यान रखना है। कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। हमारे राज्य में किसी प्रकार की कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने जो सहयोग अभी तक दिया है। पूरे देश भर में उसकी सराहना हो रही है। यह सब यहां की जनता के सहयोग से हो रहा है। पूरा प्रशासन जनता की सेवा में लगा है। चौबीस घंटा और सातों दिन अधिकारियों को काम करना है। इसके अलावा डॉक्टर और उनके स्टाफके लोग भी सेवा में लगे हुए हैं। पूरा तंत्र जनता के स्वास्थ्य और भोजन तथा अन्य जरूरी व्यवस्था में लगा हुआ है। इन कार्यों में सभी लोगों का सहयोग बहुत जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक दो स्थानों से खबर मिली है कि कुछ लोग दूसरे प्रदेशों में यात्रा करने गए थे और वे लोग वहां फंस गए हैं। उनके परिवारजनों और जनप्रतिनिधियों से मैं निवेदन करता हूं कि वे जो लोग जहां हैं वहीं रहें। वहां के सरकार से हम सम्पर्क कर लेंगे। आवश्यकता पड़ने पर यदि उनके पास राशि नहीं है।

प्रधानमंत्री की बात को सभी गम्भीरता से लेवें-विक्रम उसेंडी

- परस्पर दूरी बनाए रखकर ही कोरोना के संक्रमण चक्र को खत्म किया जा सकता है-रामविचार नेताम

रायपुर, 26 मार्च । भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेशवासियों से कोरोना वायरस संक्रमण की चुनौती से निपटने के लिये की गई अपील को गम्भीरता से लेने का विश्वास दिलाया है। भाजपा ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिये प्रदेशवासी 21 दिनों के सम्पूर्ण लॉकडाउन का पूरे संयम, संकल्प, साहस, धैर्य और अनुशासन के साथ पालन करेंगे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेण्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की कोरोना संक्रमण की बढ़ती चुनौती पर चिन्ता एक प्रधानमंत्री के नाते कम, हर एक परिवार के अभिभावक के रूप में ज्यादा है। दो माह से इस वैश्विक महामारी से मुकाबला करने के बाद अबतक निकले निष्कर्षों का सार यही है कि सामाजिक अलगाव (सोशल डिस्टेंसिंग) ही इस बीमारी से हम सबको सुरक्षित कर सकता है और यह अभियान संक्रमण के चक्र को बाधित करने का रामबाण उपाय है। श्री उसेण्डी ने उम्मीद जताई कि प्रदेशवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी के भावपूर्ण आह्वान को पूरी गम्भीरता से लेकर 21 दिनों के इस सम्पूर्ण लॉकडाउन का पालन करते हुए कोरोना महामारी को परास्त करने में अपनी भूमिका का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा घोषित सम्पूर्ण लॉकडाऊन इस बात को रेखांकित करती है कि इस महामारी को लेकर हमारी जरा सी लापरवाही और गलत सोच एक भयावह संकट खड़ा कर सकती है और तब इस महामारी की भयावहता का अनुमान लगाना भी कठिन हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी को इस बात का पूरा अनुमान है कि 21 दिनों के इस सम्पूर्ण लॉकडाऊन के चलते अन्य दिक्कतों के साथ-साथ देश को बड़ी आर्थिक कीमत भी चुकानी पड़ेगी, लेकिन भारतीय जनजीवन की सुरक्षा को देखते हुए प्रधानमंत्री का यह कदम बेहद संवेदनशील है। प्रधानमंत्री ने इस बीमारी के प्रसार की प्रकृति की चर्चा करते हुए हमें सावधान किया है कि तीन सप्ताह के इस लॉकडाऊन में हमने जरा भी चूल की तो देश 21 साल पीछे चला जाएगा। डॉ. सिंह ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान को पूरी गम्भीरता से लेने की अपील छत्तीसगढ़वासियों से की है।

भाजपा अनुसूचित जनजाति राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राम विचार नेताम ने कहा कि कोरोना संक्रमण की वैश्विक महामारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चिन्ता अकारण ही नहीं है। विश्व के कई देशों में तमाम संसाधनों और तकनीकों के बावजूद इस महामारी ने अपना प्रकोप दिखाया है और हजारों-हजार लोगों की मौत हो गई है। ऐसी स्थिति में केवल परस्पर दूरी बनाए रखकर ही इस बीमारी के संक्रमण चक्र को खत्म किया जा सकता है और यही एकमात्र उपाय हमारे लिये यह दिशा तय करेगा कि हम इस बीमारी से जल्द से जल्द भारत को मुक्त करें। श्रीनेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अपील को ध्यान में रखकर हम सब संयम और अनुशासन के साथ व्यवहार करें। हम इस बीमारी से लोगों की रक्षा करने में जुटे लोगों के लिये भी प्रार्थना करें और अपने समाज के निर्धन लोगों के स्वास्थ्य की चिन्ता भी प्राथमिकता से करें और इस कार्य के लिये निजी क्षेत्र के लोगों को सहायता के लिये आगे आना चाहिए। श्री नेताम ने इस बीमारी को लेकर अफवाहों से बचने की अपील भी की है।

नगरीय प्रशासन मंत्री देंगे एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में

रायपुर26 मार्च। नगरीय प्रशासन और श्रम मंत्री डॉक्टर शिव कुमार डहरिया ने कोरोना वायरस से संक्रमण के रोकथाम और नियंत्रण के सहायता के लिए अपने एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करने का ऐलान किया है। मंत्री डॉक्टर डहरिया ने आज इस आशय की जानकारी दूरभाष पर दी है। डॉक्टर ने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण जो महामारी का रूप ले लिया है उनके रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा लिए जा रहे निर्णय को जनहित में बताते हुए सराहना की। मुख्यमंत्री श्री बघेल के मार्गदर्शन में प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए बेहतर प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने मंत्रिमंडल के सदस्यों ए विधायकोंए स्वयंसेवी संगठनों सहित समर्थ आम नागरिकों को जनहित में सहयोग करने की अपील की है। मंत्री डॉक्टर डहरिया ने मुख्यमंत्री श्री बघेल की अपील का पालन करने लोगों से अनुरोध किया है। कोरोना संक्रमण को जड़ से खत्म करने के लिए सामुदायिक डिस्टेंस बहुत ही ए अतः सावधानी बरतते हुए इस महामारी से बचा जा सकता है उन्होंने इस आपात स्थिति में कोरोना पीड़ितो के साथएसथ अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की चिकित्सा सेवा में निरंतर कार्यरत स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हुए सभी स्टाफें नागरीय निकाय के अमलों सहित निरंतर साफ सफाई में लगे स्वच्छता कर्मचारियों पुलिस विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों तथा अन्य आपातकालीन कर्मियों का उत्साहवर्धन करने उनकी मदद करने तथा समर्थन देने आम नागरिकों से अपील की है।

छत्तीसगढ़ के डॉ हेमू वर्मा ने बताई सोशल मीडिया में इटली की आपबीती

रायपुर, 26 मार्च। इटली में फंसे छत्तीसगढ़ के युवक डॉ. हेमू वर्मा ने अपनी आप बीती सोशल मीडिया पर सुनाई है। उनका कहना है कि एक सप्ताह से सुपर मार्केट बंद कर दिया गया है। इटली में हर रोज 500 से ज्यादा लोगो की मौत हो रही है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं होने के बावजूद सरकार ने हाथ खड़े कर दिए हैं। प्रत्येक दिन 15 हजार लोगों का ब्लड सैंपल लिया जा रहा है। यहां पर 3000 से जयादा डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। 50 डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की मौत हो गई है। डेड बॉडी के लिए कब्रिस्तान कम पड़ गए है। शवों को शहर से बहार बड़ा गड्ढा खोदकर डाला जा रहा है। इस सप्ताह इटली ज्यादा खराब हो गई है। तीन दिन में यहां का तापमान तीन डिग्री और गिर गया है। आज यहां पर न्यूनतम तापमान माईनस 6 डिग्री है। छत्तीसगढ़ में रह रहे मेरे परिवार की मुझे फिक्र हो रही है। वो भी मेरे लिए बेहद चिंता में हैं। मैं साउथ इटली के एवलीनों में अभी रह रहा हूं। यहां पर वर्तमान में 200 से जयादा कोरोना पॉजिटिव केस है। यहां पर अब तक 12 लोगों की मौत भी हो चुकी है। मैं यहां रिसर्च का काम कर रहा हूं मैं मुख्य शहर से 150 किलोमीटर दूर हूं। यहां बीते पंद्रह दिन से लॉक डाउन है। डॉक्टर हेमू वर्मा रायपुर में मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस करके इटली में एक रिसर्च के लिए चयनित हुए थे। बीते दो साल से वहीं रह रहे है।

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने विकास उपाध्याय व उनकी टीम पश्चिम विधानसभा में डटी है

विधायक ने निजी फण्ड से 50 स्प्रे मशीन मंगवाई

रायपुर, 26 मार्च । कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम के लिए राजधानी रायपुर पश्चिम विधानसभा के विधायक विकास उपाध्याय एवं उनकी टीम सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। विधायक द्वारा अपने निजी फण्ड से अतिरिक्त 50 स्प्रे मशीन मंगवाया है। ज्ञात हो कि पिछले एक हफ्ते से विधायक विकास उपाध्याय एवं उनकी टीम के वॉलिंटियर्स पश्चिम विधानसभा के सभी वार्डों में कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम हेतु ब्लीचिंग पाउडर, फॉगिंग मशीन और अन्य केमिकल का छिड़काव कर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे है। इस मुहिम में श्री उपाध्याय द्वारा अतिरिक्त 50 मशीनों के साथ वॉलिंटियर्स आम जनता के घर-घर जाकर सेनेटाइज का स्प्रे कर रहे है। इस मुहिम में विधायक क्षेत्र के ही 50 वॉलिंटियर्स लगे हुए है।

रायपुर 26 मार्च। डॉग भी कोरोना वायरस से डरकर ऊंचाई पर कार के ऊपर बैठे।

कोविड-19 की पहचान और रोकथाम के लिए प्रदेश में एक्टिव सर्विलॉस

- होम-क्वारेंटाइन वाले क्षेत्रों में सर्वे करने जाएगी स्वास्थ्य विभाग की टीम
- स्वास्थ्य संचालक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों को दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर, 25 मार्च (आरएनएस)। सामुदायिक स्तर पर कोविड-19 का प्रसार रोकने स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश भर में एक्टिव सर्विलॉस की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम विदेश प्रवास से लौटने के बाद होम-क्वारेंटाइन में रह रहे लोगों के घरों के आसपास के क्षेत्रों में सर्वे कर लोगों से जानकारियां जुटाएगी। इससे शुरूआती दौर में ही बीमारी की पहचान कर इलाज और आइसोलेशन सुनिश्चित किया जा सकेगा। स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक नीरज बंसोड़ ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक नीरज बंसोड़ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बताया कि होम-क्वारेंटाइन में रह रहे विदेश प्रवास से लौटे सभी व्यक्तियों के आसपास के 50 घरों में स्वास्थ्य विभाग और अन्य विभागों की टीम बनाकर सर्वे कराया जाएगा। सर्वे में घर के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य, पुरानी बीमारी, पिछले 15 दिनों की आवाजाही और इस दौरान मिले लोगों के बारे में पूछताछ की जाएगी। विभाग द्वारा सर्वे के लिए सभी जिले के सर्विलॉस अधिकारी को प्रशिक्षित किया जाएगा। सर्विलांस अधिकारियों द्वारा सर्वे टीमों के प्रशिक्षण के बाद सर्वे का काम तुरंत शुरू किया जाएगा।

बंसोड़ ने किसी भी प्रकार का संक्रमण रोकने सर्वे के दौरान सभी सुरक्षा मानकों और दिशा-निर्देशों के पालन के साथ ही जरूरी सावधानियां बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान सोशल-डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बातचीत के दौरान एक मीटर की दूरी बनाकर रखें। लोगों को घर से बाहर बुलाकर बात करें, साथ में हैंड-सैनिटाइज़र लेकर चलें और हर आधे घंटे में हाथ साफकरते रहें। उन्होंने कहा कि सर्वे टीम को घबराने की जरूरत नहीं है। सक्रिय सामुदायिक निगरानी के दौरान सभी सावधानियों का पूर्ण रूप से पालन किया जाएगा। उन्होंने सभी जिलों को सर्वे रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को प्रतिदिन भेजने कहा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अधिकारियों को होम-क्वारेंटाइन और होम-आइसोलेशन के प्रोटोकॉल के बारे में भी जानकारी दी गई। जिलों में स्थापित क्वारेंटाइन सेंटर्स और होम-क्वारेंटाइन में रह रहे लोगों की लगातार निगरानी कर इसके दिशा-निर्देशों के कड़ाई से पालन के लिए निर्देशित किया गया। स्वास्थ्य संचालक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कहा कि मास्क के उपयोग के बाद इसे इधर-उधर न फेंके। मानकों के अनुरूप इसका डिस्पोजल करवाएं। स्वास्थ्य विभाग के ओएसडी प्रभात मलिक और संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ. आर.आर. साहनी ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एक्टिव सर्विलॉस के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

अष्टमी नवमीं पर कन्या भोज भी नहीं होगा

रायपुर, 26 मार्च । प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दू नववर्ष झुलेलाल महोत्सव एवं वासंती चैत्र नवरात्र का आज से प्रारंभ हो गया है। कोरोना वायरस के चलते शहर के इतिहास में पहली बार ऐसा मौका आया है। जब भक्त नवरात्रि में माता के दर्शन से वंचित है। संपूर्ण देश में लाक डाउन के चलते 14 अप्रैल तक कर्फ्यू जैसे हालात है। महामाया मंदिर के पुजारी पंडित मनोज शुक्ला ने एवं कालीमंदिर रायपुर, महादेव घाट के पुजारी गोस्वामी गिरी महाराज ने भक्तों से चैत्र नवरात्र में अपने घरों में ही रहकर पूजा पाठ करने का अनुरोध किया है। इस वर्ष शहर के प्राचीनतम मंदिरों सहित प्रदेश के माता देवालयों में ज्योति प्रज्वलित भी नहीं की गई है। पंडित शुक्ला ने बताया कि चैत्र नवरात्र के अवसर पर सुबह 8.47 से 10.46 बजे तक वृषभ लग्न में घटस्थापना का मुहूर्त है इसके साथ ही अन्य समय में दोपहर 3.24 से शाम 5.24 सिंह लग्न एवं रात 9.46 से 12 बजे वृश्चिक लग्न में भी श्रद्धालु अपने घरों में घट स्थापना कर सकते हैं। प्राचीन मंदिरों में हजारों की तादाद में पहुंचने वाले भक्तों के अनुसार माता हमेशा अपनी संतान का भला करती है। कोरोना वायरस से लड़ने में भी मातृ शक्ति ही उक्त लड़ाई को जीतकर लोगों को जीवनदान देगी। यह विचार गायत्री नगर निवासी मां काली के अखंड भक्त पं. कृष्ण कुमार वाजपेयी ने व्यक्त किया।

ज्ञातव्य है कि मंगलवार रात को ही अपने राष्ट्र के संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को परिवार का सदस्य बनकर हाथ जोड़कर आने वाले 21 दिनों में घरों में ही रहने की अपील की है।

लोगों की जिद लाखों जिंदगियों की तबाही का कारण बन सकती है। डॉ. जयेश कावड़िया के अनुसार कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए वे शहर के आम लोगों से घरों में रहकर ही माता की पूजा अर्चना करने की अपील करते हैं।